शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय

राजनांदगांव (छ.ग.)

महिला उत्पीड़न निवारण एवं विकास समिति

वार्षिक प्रतिवेदन

2015–16

डॉ. आर. एन. सिंह

प्राचार्य

शासकीय दिग्विजय पी.जी. महाविद्यालय,

राजनांदगांव (छ.ग.)

डॉ. अंजना ठाकुर

संयोजक

महिला उत्पीड़न निवारण एवं विकास समिति,

शास. दिग्विजय महा. राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned by CamScanner

वार्षिक प्रतिवेदन – 2016

महिला उत्पीडन निवारण एवं विकास समिति

रक्षा सुरक्षा एवं स्वरक्षा

शासकीय दिग्विजय पी.जी. महाविद्यालय की महिला उत्पीड़न निवारण एवं विकास समिति मे तत्वाधान में समिति द्वारा अध्ययनरत छात्राओं के लिए कान्उसलिंग की गई महाविद्याल में कोई छेड़ छाड़ न हो इस के लिए समय समय पर बैठक आयोजित की जाती रही एवं पुछा गया किसी भी प्रकार की कोई घटना घटती है तो समिति को जानकारी देने कहा ताकि समिति अपने स्तर पर कार्यकर रोकथाम कर सके ।

महिला उत्पीडन निवारण विकास समिति की बैठक प्रत्येक माह आयोजित की जाति रही है जिसमे महिला प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों तथा छात्राओं की समस्याओं की जानकारी लेकर उनके सामाधान का प्रयास होता रहा है । लायन्स कल्ब के तत्वाधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे छात्राओं प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को गैस सुरक्षा एवं बचत पर श्री डाकलिया द्वारा विस्तृत जानकारी दिया गया । असिसटेन्ट ब्यूटिशियन पर भी जानकारी छात्रओं को दिया गया ताकि स्वयं का रोजगार चला सके एवं आत्म निर्भर व स्वावलंबी बन सके । 8 मार्च 2016 को एक दिवसीय अतंराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन प्राथमिक शाला चिखली में आयोजित किया गया ।

वर्ष 2015 – 16 में जो कार्यकम आयोजित किया गया व इस प्रकार है ।

रक्षा सुरक्षा एवं स्वरक्षा (गैस बचत एवं सुरक्षा)

Scanned by CamScanner

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव में इंडेन गैस एंजेसी राजनांदगांव, लायनेस क्लब राजनांदगांव सिटी एवं महाविद्यालयीन महिला उत्पीड़न निवारण समिति के संयुक्त तत्वाधान में रक्षा, सुरक्षा एवं स्वरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्ष श्रीमती ताहिरा अली, अध्यक्ष लायनेस क्लब सिटी राजनांदगांव एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुनीता कोठारी, श्रीमती भारती शाह, श्रीमती शोभा चौरसिया एवं इंडेन गैस एंजेसी के संचालक श्री श्रेणिक डाकलिया उपस्थित थे । महिला उत्पीड़न निवारण समिति की संयोजक डॉ. श्रीमती अंजना ठाकुर ने अतिथियों का स्वागत किया ।

गैस एंजेसी के संचालक श्री श्रेणिक डाकलिया ने गैस के सुरक्षित उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि गैस का उपयोग प्रदूषण से बचने के लिए किया जाता है । पर्यावरण को इससे कोई क्षति नही पहुंचती है। गैस सिलेन्डर नीचे और चुल्हा ऊपर होना चाहिए । उन्होने बताया की जब कोई गैस कनेक्सन लेता है तो उसका एवं उसके परिवार का कंपनी 40 लाख रूपये का करती है तथा 10 लाख रूपये का बीमा कंपनी कराती है । रेग्युलेटर से लिकेज हो रहा है तो वहॉ पर एम सील या गीला आटा लगा देना चाहिए हर पॉच साल में पाईप बदल देना चाहिए । कंपनी एवन भी देती है उसे पहनकर खाना बनाना चाहिए इसी प्रकार गैस के उपयोग के संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की महिला उत्पीड़न सुरक्षा समिति राजनांदगांव की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता कोठारी ने कहा–अपनी बात सुलकर कहना चाहिए मोबाईल जैसे यंत्र का उपयोग करें दुरूपयोग न करे । समाजसेविका श्रीमती शाह ने कहा हम अपने आपको ऐसा बनाएँ कि कोई हमे बुरा न बोल सके तथा बुरी नजर से न देख सके ।

कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव प्रो. श्रीमती मीना प्रसाद, प्रो. प्रियंका वैष्णव, डॉ. श्रीमती बी.एन. जागृति एवं बड़ी संख्या में छात्रएं उपस्थित थे । कार्यक्रम मे संचालन प्रो. बी.एन.जागृत ने किया ।

Scanned by CamScanner

(असिटेंट ब्यूटिशियन का प्रशिक्षण)

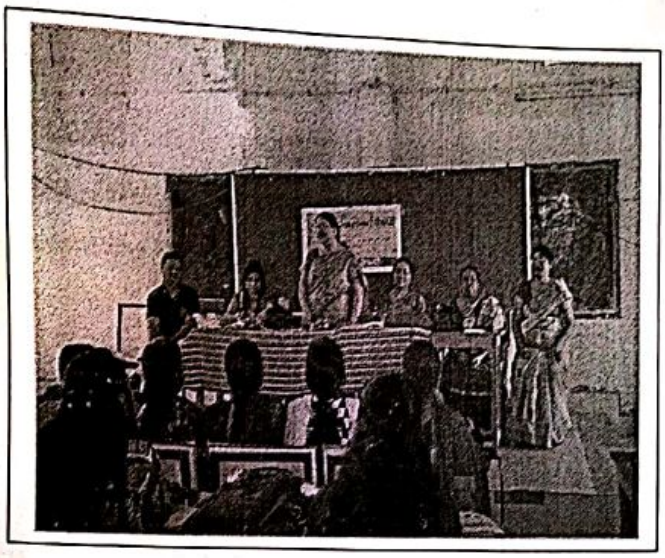

सौंदर्य कला एवं रोजगार प्रशिक्षण 9.12.2015

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में मुख्यमंत्री कौशल योजना के अन्तर्गत महिला उत्पीड़न, निवारण एवं विकास समिति के तत्वाधान में छात्राओं के लिए असिटेंट ब्यूटिशियन का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. श्रीमती सुमन सिंह बघेल, प्राचार्य शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव के कर कमलों से प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

महिला उत्पीड़न – निवारण एवं विकास समिति की प्रभारी डॉ. श्रीमती अंजना ठाकुर ने प्रशिक्षण – योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण के उपरांत छात्राओं को शासन द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा। इस प्रमाण पत्र के अधार पर स्वरोजगार के लिए दो लाख रूपये तक का ऋण बैंकों से प्राप्त हो सकता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. बघेल ने इस प्रशिक्षण की महत्ता बताते हुए कहा कि यह ऐसा प्रशिक्षण है जिससे छात्राएं स्वयं की सुंदरता संवारने के साथ ही इस अपने रोजगार का माध्यम बना सकती है। यह रोजगार मुलक प्रशिक्षण है। ऐसे प्रशिक्षण को प्राप्त कर छात्राएं आत्मनिर्भर बन सकती है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. श्रीमती बी.एन. जागृत ने कहा कि, इस जमाने में हर कोई सुंदर दिखना चाहता है। सुंदर दिखने कि इस अभिलाषा को रोजगार से जोड़ना महत्वपूर्ण है।

प्रशिक्षणार्थी छात्राओं की संख्या 200 है। प्रशिक्षिका है ब्युटिशियन कु. निकिता अग्रवाल एवं उनके सहयोगी हैं। सुभाष अग्रवाल कार्यक्रम के अंत में प्रो.

Scanned by CamScanner